उन्होंने बताया कि उप्र के मुज़्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रत्येक विधायक एक-एक विद्यालय को गोद लेकर हर स्तर पर उसकी चिन्ता कर रहा है। बेसिक, माध्यमिक शिक्षा, उच्च शिक्षा, चिकित्सा शिक्षा और तकनीकी शिक्षा के लिए हर स्तर पर सरकार प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि जीवन के लिए अब सिर्फ रोटी, कपड़ा और मकान की अवधारणा नहीं रह गई है। उसमें शिक्षित होना अब अनिवार्य हो गया है। इस अवसर पर विश्व आयुर्वेद परिषद के अध्यक्ष डा. बी.एन. गुप्ता ने कहा कि चिकित्सा क्षेत्र के बढ़ते आयामों और विविध स्वास्थ्य संगठनों के माध्यम से सेवा कार्य को आगे बढ़ाने का चलन बढ़ा है। इससे जो संस्कार और वातावरण बन रहा है वह निश्चित तौर पर भारत को परम वैभव की तरफ ले जाने वाला है। रामायणी कुटी के महंत रामहृदय दास जी महाराज ने कहा कि चित्रकूट अपने आप में एक औषधी केन्द्र है। सारा ज्ञान विलुप्त हो जाए तो चित्रकूट एक ऐसी धरा है जहां आने के बाद विशेष ऊर्जा प्राप्त होती है। संतोषी अखाड़ा के महंत रामजी दास महाराज ने कहा कि चित्रकूट हमारी आध्यात्मिक राजधानी है। यहां शिक्षा एवं चिकित्सा के क्षेत्र में अभिनव प्रयोग हो रहे हैं। राजकीय मेडिकल कालेज बांदा के डीन डा. डी. नाथ ने कहा कि जब तक समाज के अंतिम पंज़्ति का सर्वांगीण विकास नहीं होगा तब तक भारत का उदय नहीं होगा। इसके लिए युवाओं के चिंतन को दिशा देने की जरुरत है। मप्र फार्मेसी काउंसिल के अध्यक्ष श्री ओम जैन ने कहा कि देश में शिक्षा और चिकित्सा इन दोनों क्षेत्र में हम सब सामाजिक क्षेत्र में कार्य करने वाले कार्यकर्ता लगे है। खुशहाल गांव-खुशहाल समाज की परिकल्पना को साकार रुप देने का काम शुरू हो चुका है।